Movie: Anuraag
Year: 1972

Song: Oh Kya Hai
Lyricist: Anand Bakshi

ओ ...
तेरे नैनों के मैं दीप जलाऊँगा
तेरे नैनों के मैं दीप जलाऊँगा
अपनी आँखों से
दुनिया दिखलाऊँगा

अच्छा
वो क्या है
इक मंदिर है
उस मंदिर में
इक मूरत है
ये मूरत कैसी होती है
तेरी सूरत जैसी होती है
वो क्या है
इक मंदिर है

मैं क्या जानूँ
छाँव है क्या
और धूप है क्या
मैं क्या जानूँ
छाँव है क्या
और धूप है क्या

रंग बिरंगी इस दुनिया का
रूप है क्या
वो क्या है
इक परबत है
उस परबत पे
इक बादल है
ये बादल कैसा होता है
तेरे आँचल जैसा होता है
वो क्या है
इक परबत है

मस्त हवा ने
घूँघट खोला कलियों का
मस्त हवा ने
घूँघट खोला कलियों का
झूमके मौसम आया है
रंगरलियों का
वो क्या है
इक बग़िया है
उस बग़िया में
कई भँवरे हैं
भँवरे क्या जोगी होते हैं
नहीं दिल के रोगी होते हैं
वो क्या है
इक बग़िया है

ऐसी भी अनजान नहीं मैं
अब सजना
बिन देखे मुझको दिखता है
सब सजना

अच्छा
वो क्या है
वो सागर है
उस सागर में

इक नैया है
अरे तूने कैसे नाम लिया
मन से आँखों का काम लिया

वो क्या है
वो सागर है
हूँ ...

*Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.*

*PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.*